तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
14.11.17	पत्रावली पेश। वकील पक्षकार उपस्थित। [illegible] हेतु दिनांक 12.12.18 को पेश हो।	
12.12.18	पत्रावली पेश। वकील पक्षकार उप० हैं। [illegible] दिनांक 26.3.18 को पेश हो।	
26.3.18	पत्रावली पेश। वकील पक्षकार उप० हैं वास्ते जिरह 12.4.18 को पेश हो।	
12.4.18 ह० [illegible] तारीख पेशी 12.4.18 वादी की ओर से	पत्रावली पेश हुई। पक्षकार एवं वकील पक्षकार उपस्थित हैं। उपस्थित पक्षकार सिवाय प्रति० नं० 6 से 9 को सुना गया। उपस्थित पक्षकारों द्वारा आपसी सहमति का राजीनामा पेश किया। राजीनामे को उपस्थित पक्षकारों को पढ़कर सुनाया। उपस्थित पक्षकारों द्वारा उक्त राजीनामे को सुन समझ सही मानकर स्वीकार व अंगीकार किया गया। राजीनामे पर प्रति० नं. 7 से 9 की ओर से उनके विद्वान अधिवक्ता श्री चेतन माहेश्वरी द्वारा हस्ताक्षर किये गये। राजीनामा तस्दीक किया जाकर शा० का० किया गया। वादी द्वारा एक प्रा० पत्र order 23 Rule 1 C.P.C पेश किया। उक्त प्रा० पत्र की प्रति (P.T.O)	रमाकांत राजेन्द्र सिंह प्रहलाद सिंह गोवर्धन भरत सिंह पहचानकर्ता [illegible] Adv वकील प्रतिवादीगण क्रम 1 लगायत 5 व प्रतिवादी क्रम 7 लगायत 9 [illegible] Adv चेतन माहेश्वरी Adv

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारी[illegible] अहकाम जो [illegible] हुक्म की ता[illegible] में जारी हु[illegible]
	वकील प्रतिवादी की दी गयी प्रा0 पत्र पर पक्षकारान् के अधिवक्तागण को सुना गया। प्रा0 पत्र स्वीकार किया जाता है। या0 का0 हो/वादी को प्रति0 क्रम 6 के विरुद्ध वाद पत्र विड्रा करने की अनुमति दी जाती है। अतः पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत राजीनामे की हद तक वाद वादी इसी प्रकार फैसल शुमार होकर दा0 द0 हो।	